इत्र उद्योग को दिलाएं वैश्विक पहचान

कन्नौज। पुरातन इत्र उद्योग को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए एसेंशियल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सुगंधित तेलों और मसालों की गुणवत्ता को विकसित करने के संबंध में चर्चा की गई।

इस कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से आए करीब 350 इत्र उद्यमियों और कारोबारियों ने भाग लिया। शहर के एक निजी होटल में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने किया। उन्होंने बताया कि सुरस एवं सुगंध विकास केंद्र (एफएफडीसी) के माध्यम से नई तकनीक को विकसित किया जा रहा है।

क्वालिटी कंट्रोल सहित उत्पादों की गुणवत्ता और उसके प्रस्तुतीकरण को लेकर एफएफडीसी का बहुत बड़ा योगदान है। इससे जुड़कर इत्र उद्यमी अपने उद्योग को ऊंचाई पर ले जा सकते हैं। एफएफडीसी के प्रधान निदेशक डॉ. शक्ति विनय शुक्ला ने कन्नौज की सुगंध, स्वाद और अरोमाथैरेपी के बारे में जानकारी दी। आईआईटी दिल्ली के संयुक्त निदेशक डॉ. तनवीर आलम ने तेलों की पैकेजिंग के लिए विनियमन और अनुपालन के बारें में बताया तो एनसीई त्रिपुरा के अतिरिक्त निदेशक अमलेंदु देबनाथ ने अगरवुड के बारे में जानकारी दी।

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय प्रबंधक मंसूर कटियार ने इत्र पार्क में ब्लॉक आवंटन और स्टाम्प छूट के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला में ईओएआई के अध्यक्ष संजय वार्ष्णेय, पूर्व अध्यक्ष योगेश दुबे, अतर एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन त्रिवेदी, उपायुक्त उद्योग धनंजय सिंह, इत्र उद्यमी प्रखर कपूर सहित कई कारोबारी मौजूद रहे। (संवाद)

मसालों की खेती का निरीक्षण करते इत्र उद्यमी। स्रोत : सूचना विभाग

एफएफडीसी का निरीक्षण कर देखी फूलों की खेती

देश के विभिन्न भागों से आए इत्र उद्यमियों ने एफएफडीसी का निरीक्षण किया और वहां तेल व सुगंधित मसालों की खेती के बारे में जानकारी ली। इसके बाद मुन्नालाल एंड संस परफ्यूम इकाई का भ्रमण कराया गया। उद्यमियों ने गोपाल सैनी एरोमेटिक्स प्लांट, खेती तथा फूलों की कृषि के बारे में जानकारी ली। एफएफडीसी में तकनीकी और शोध कार्यों का भी बारीकी से अध्ययन किया।